डी०एल०एड० II-year- S-2

Date 09/06/2020

Page No :

स्किनर के क्रिया प्रसूत अधिगम सिद्धान्त —

सीखने का सिद्धान्तों का प्रतिपादन करने में बी० एफ० स्किनर ने विशेष योगदान किया है। स्किनर ने दो प्रकार की क्रियाओं पर प्रकाश डाला क्रिया प्रसूत तथा उद्दीपन प्रसूत जो क्रियाएँ उद्दीपन के द्वारा होती है वे उद्दीपन आधारित होती है। क्रिया प्रसूत का सम्बन्ध उत्तेजना से होता है।

बी० एफ० स्किनर के प्रयोग —

बी० एफ० स्किनर ने अधिगम या सीखने के क्षेत्र में अनेक प्रयोग करते हुए यह निष्कर्ष निकाला कि अभिप्रेरणा से उत्पन्न क्रियाशीलता ही सीखने के लिए उत्तरदायी है, स्किनर ने चूहों तथा कबूतरों तथा आदि पर प्रयोग करके यह निष्कर्ष निकाला की प्राणीयों में दो प्रकार के व्यवहार पाये जाते है अनुक्रिया तथा क्रिया प्रसूत

स्किनर ने चूहों पर प्रयोग किये उसने लीवर वाला बाक्स बनवाया लीवर पर चूहे का पैर पड़ते ही खट की आवाज होती थी इस ध्वनि को सुनकर चूहा आगे बढ़ता

Date : / /
Page No :

और उसे प्याले में भोजन मिलता, यह भोजन चूहे के लिए प्रबलन का कार्य करता है। चूहा भूखा होने पर प्रणोदित होता और लीवर को दबाता। उस प्रयोग से स्किनर ने ये निष्कर्ष निकाले

1- लीवर दबाने की क्रिया चूहे के लिए सरल हो गयी।

2- लीवर जब बार-2 दबाया जाता अतः निरिक्षण सरल हो गया।

3- लीवर दबाने में अन्य क्रिया नीहित नही थी।

4- लीवर दबाने की क्रिया का आभास हो जाता था।

Scanned with CamScanner